RYSEN TIMES

ISSUE 01 | 4 PAGES

SCAN QR

RYSEN_INTERNATIONAL_SCHOOLS

Follow on Instagram

RISE TO SUCCESS

102 Students impacted through buddy program

31 External academic, cultural and sports events participated in

12 Hands-on learning visits completed

7 Signature events organised

STEM शिक्षा कैसे दुनिया भर में कक्षाओं का स्वरूप बदल रही है Page - 2

भारतीय शिक्षा में हालिया बदलाव Page - 2

Student Achievements Page - 3

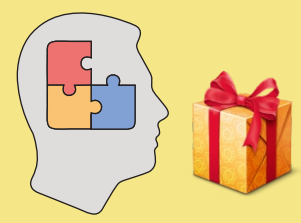

Interactive Corner Page - 3

STAR student

HARMANJOT KAUR

CLASS XI

Rysen Group of Schools, Sri Ganganagar

NATIONAL ACHIEVEMENT
7th AIR – Kreativity League 2025
Held at IIT Delhi

LEADERSHIP EXCELLENCE
Best Coordinator – Teachers' Day
Recognised for organisation, responsibility, and leadership quality

SPORTS ACHIEVEMENT
Overall Silver Medalist – Sports Day
2nd Best Female Athlete
(based on cumulative event scores)

ENTREPRENEURIAL EXPOSURE
Christmas Bakery Workshop Participant
Demonstrated creativity, initiative, and business-oriented thinking

ACADEMIC DISTINCTION
2nd Rank in Class XI
Consistent academic performance across subjects

What 2025 Taught Us About Education

O.P. Godara
Co-Founder, Rysen Group of Schools
IIT Delhi, Alumnus

The year 2025 gave us an opportunity to pause and observe education more closely - not through results alone, but through how children actually learn, respond, and grow.Across our classrooms, one insight became increasingly clear: when children are encouraged to understand rather than memorise, to question rather than comply, learning becomes more meaningful and lasting. Through various events like the Rysen Interschool Competition, we saw confidence emerge when students were given space to think. We saw deeper engagement when learning was connected to real experiences in the tinkering labs rather than confined to textbooks.

Globally, education systems are shifting toward integrated learning, creativity and problem-solving. In India too, changes in policy and classroom practice are beginning to reflect this move, from assessment-heavy schooling toward competency and understanding. These shifts reaffirmed our belief that education must prepare children not just for examinations, but for life. At Rysen, 2025 strengthened our resolve to focus on conceptual clarity, thoughtful teaching and environments where curiosity is nurtured. It reminded us that progress in education is not always loud or immediate but it is deeply impactful when done right. Rysen Times begins with this reflection, inviting parents and educators to engage with insights that matter and to look ahead with clarity and purpose.

IF YOUR CHILD LEARNS EVERYTHING BUT NEVER LEARNS TO THINK IS THAT EDUCATION

"Don't take rest after your first victory because if you fail in second, more lips are waiting to say that your first victory was just luck."

Dr. APJ Abdul Kalam

क्यों STEM शिक्षा दुनिया भर में कक्षाओं का स्वरूप बदल रही है ?

डॉ. कपिल जैन
डायरेक्टर, Rysen School - बीकानेर
MBBS-SPMC Bikaner, Alumnus

आज अगर आप हेलसिंकी, सिंगापुर, न्यूयॉर्क या नई दिल्ली की किसी आधुनिक कक्षा में जाएँ, तो वहाँ का दृश्य वैसा नहीं होगा जैसा ज़्यादातर माता-पिता ने अपने स्कूल समय में देखा था। बच्चे अब सिर्फ़ परिभाषाएँ नहीं लिख रहे, वे रोबोट बना रहे हैं, पानी की गुणवत्ता जाँच रहे हैं, मॉडल डिज़ाइन कर रहे हैं और अपने आइडियाज़ को कोड में बदल रहे हैं। **दुनिया भर में STEM शिक्षा सीखने की पूरी सोच को बदल रही है।**

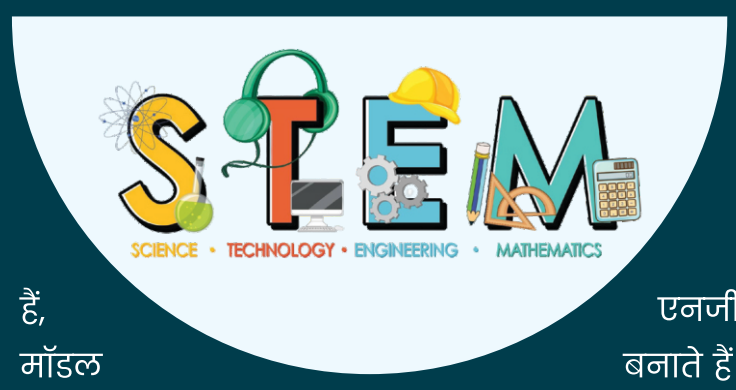

यह बदलाव अचानक नहीं आया है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, क्लाइमेट चेंज और डिजिटल अर्थव्यवस्था ने पूरी दुनिया का स्वरूप बदल दिया है। सरकारें और वैश्विक संस्थाएँ लगातार चेतावनी दे रही हैं कि आने वाले वर्षों में STEM-तैयार प्रतिभाओं की भारी कमी होगी। लेकिन STEM का महत्व सिर्फ़ नौकरियों तक सीमित नहीं है। STEM बच्चों को सोचना सिखाता है, यह उन्हें सवाल पूछना, प्रयोग करना, असफल होना, फिर से सुधार करना और दोबारा कोशिश करना सिखाता है। यह रटने की संस्कृति से निकालकर **वास्तविक जीवन की समस्याएँ हल करने की दिशा में ले जाता है**। जब बच्चे रोबोट प्रोग्राम करते हैं, मॉडल एनर्जी बनाते हैं या डेटा का विश्लेषण करते हैं, तो वे विषयों को अलग-अलग नहीं, बल्कि जुड़े हुए सिस्टम की तरह समझना सीखते हैं। यह बदलाव बहुत शुरुआती कक्षाओं से शुरू हो रहा है और कई देशों में प्राथमिक स्तर पर ही कोडिंग, रोबोटिक्स किट, हैंड्स-ऑन साइंस को शिक्षा का हिस्सा बनाया जा रहा है। फिनलैंड ने अपने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता और प्रोग्रामिंग शामिल कर ली है। भारत की नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में AI, कोडिंग और डिज़ाइन थिंकिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत में STEM का प्रभाव केवल शहरी इनोवेशन लैब्स तक सीमित नहीं रहा है। **संभल (उत्तर प्रदेश)** जैसे उभरते क्षेत्रों में भी युवा नवप्रवर्तकों ने राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी मंचों पर सहभागिता शुरू की है, जिससे संसाधनों और अवसरों से जुड़े पूर्वग्रह चुनौती के दायरे में आए हैं। दुनिया भर में छोटे बच्चे अब सिर्फ़ पढ़ नहीं रहे - वे खोज रहे हैं, बना रहे हैं और प्रयोग कर रहे हैं। मिडिल और सीनियर कक्षाओं में STEM और भी गहराई से उतरता है। स्कूलों में मेकर-स्पेस, इनोवेशन लैब और रोबोटिक्स सेंटर बन रहे हैं। बच्चे इंजीनियरिंग चुनौतियों पर काम कर रहे हैं, पर्यावरण परियोजनाएँ बना रहे हैं और तकनीकी समाधान विकसित कर रहे हैं। सिंगापुर और अमेरिका जैसे देशों में स्कूल सीधे इंडस्ट्री और विश्वविद्यालयों से जुड़कर एडवांस STEM प्रोग्राम चला रहे हैं।

सबसे बड़ा बदलाव शिक्षण पद्धति में है। कक्षाएँ अब केवल लेक्चर हॉल नहीं रहीं। वे प्रोजेक्ट-ड्रिवन लर्निंग स्पेस बन रही हैं। शिक्षक अब सिर्फ़ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और मेंटर बन रहे हैं। STEAM मॉडल के ज़रिए कला और रचनात्मकता को भी STEM में जोड़ा जा रहा है, ताकि नवाचार मानवीय बना रहे। आज दुनिया भर में कक्षाएँ जानकारी देने के केंद्र की जगह, विचार गढ़ने के केंद्र बन रही है। **STEM केवल शिक्षा नहीं बदल रहा, यह तय कर रहा है कि आने वाले समय में "शिक्षित" होने का अर्थ क्या होगा।**

भारतीय शिक्षा में हालिया बदलाव

कपिल आर्या
को-फाउंडर, Rysen Group of Schools
IIT Delhi, Alumnus

शैक्षणिक सत्र 2026–27 से भारत के स्कूलों में शिक्षा का स्वरूप पहले से कहीं ज़्यादा बदल चुका होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के तहत पिछले कुछ वर्षों में लागू किए गए सुधार अब कक्षाओं, परीक्षाओं और पढ़ाने के तरीकों में साफ़ दिखने लगे हैं। ये बदलाव केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह तय कर रहे हैं कि बच्चे कैसे सीखेंगे, कैसे आँके जाएंगे और कैसे भविष्य के लिए तैयार होंगे।

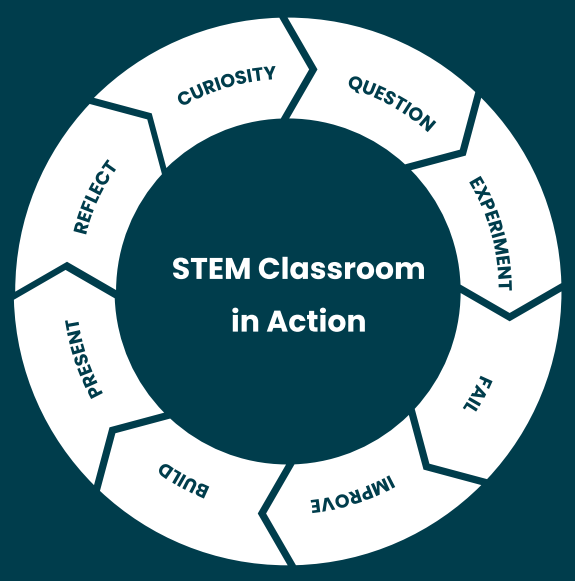

अभिभावकों के लिए

"STEM का अर्थ केवल तकनीक या उपकरण नहीं है; यह इस बात से जुड़ा है कि बच्चे कैसे सोचते हैं, विचारों को कैसे जोड़ते हैं और समस्याओं का समाधान कैसे करते हैं। जब आप अपने बच्चे से पूछते हैं कि उसने इस सप्ताह क्या बनाया, क्या खोजा या क्या डिज़ाइन किया - तो आप वास्तव में STEM से जुड़ा प्रश्न पूछ रहे होते हैं।"

कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा अब साल में दो बार:

A. अब साल में बोर्ड परीक्षा दो बार होगी - फरवरी (अनिवार्य) और मई (वैकल्पिक)।
B. जो छात्र अपने अंकों में सुधार करना चाहते हैं, वे मई सत्र में अधिकतम तीन विषयों की परीक्षा दोबारा दे सकते हैं।
C. छात्र के लिए वही अंक मान्य होंगे, जो दोनों परीक्षाओं में से अधिक होंगे। फरवरी की परीक्षा में दो विषयों तक फेल होने वाले छात्र मई में "कंपार्टमेंट" परीक्षा दे सकते हैं। हालांकि, जो छात्र 3 या उससे अधिक विषयों में फेल होंगे, उन्हें पहले की तरह पूरा साल दोहराना होगा।
D. फरवरी परीक्षा का परिणाम अप्रैल में और मई का जून में आएगा।

मातृभाषा और प्रारंभिक भाषा शिक्षा

A. NEP (नई शिक्षा नीति) और NCERT के नए फ्रेमवर्क के तहत, सत्र 2025-26 से बुनियादी (Foundational) कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम (Medium of Instruction) बच्चे की घरेलू भाषा या परिचित क्षेत्रीय भाषा होना अनिवार्य है।
B. UNESCO और NEP दोनों इस बात पर जोर देते हैं कि प्रारंभिक शिक्षा कम से कम कक्षा 5 तक बच्चे की पहली भाषा (First Language) में ही होनी चाहिए।
C. स्कूलों को अब प्रत्येक बच्चे की भाषाई पृष्ठभूमि की पहचान (Mapping) करनी होगी और बुनियादी स्तर पर उसी भाषा में पाठ्यपुस्तकें और गतिविधियाँ उपलब्ध करानी होंगी।

CBSE 'कौशल बोध' कार्यक्रम (कक्षा 6–8):

A. वर्ष 2026 से, सीबीएसई ने 'कौशल बोध' कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 8 के लिए कौशल शिक्षा (Skill Education) को अनिवार्य कर दिया है।
B. स्कूलों को सालाना कौशल-आधारित गतिविधियों के लिए 110 घंटे (लगभग 160 पीरियड) निर्धारित करने होंगे।
C. छात्रों को हर साल तीन विशिष्ट क्षेत्रों में अनिवार्य प्रोजेक्ट पूरे करने होंगे:
(i) सजीव प्राणी (Living Beings)
(ii) सामग्री और मशीनें (Materials/Machines)
(iii) मानव सेवाएँ (Human Services)
D. छात्रों का आकलन केवल लिखित परीक्षा से नहीं, बल्कि प्रेजेंटेशन, एक्टिविटी बुक, पोर्टफोलियो और क्लासरूम ऑब्जर्वेशन के आधार पर भी किया जाएगा।

कक्षा 3 से ही AI और कोडिंग:

A. शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 3 से ही 'एआई और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग' (CT) को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा।
B. CBSE और NCERT बच्चों की उम्र के अनुसार विशेष मॉड्यूल तैयार कर रहे हैं। छोटे बच्चे पहेलियों (puzzles), ब्लॉक कोडिंग गेम्स और कहानियों के माध्यम से तर्क (Logic) लगाना सीखेंगे।
C. शुरुआती गणित और EVS (पर्यावरण अध्ययन) की कक्षाओं में सरल कोडिंग ऐप्स का उपयोग किया जाएगा, ताकि बच्चे क्रमबद्धता (sequencing) और पैटर्न की पहचान करना सीख सकें।

PARENTS' CORNER

पालन-पोषण के अनुभव

सुहाना खान
(m/o माहिर खान , कक्षा 1, Rysen School, बीकानेर)

पालन-पोषण केवल बच्चों की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह उन्हें जीवन के लिए तैयार करने की एक सतत प्रक्रिया है। संस्कार, अनुशासन, संवेदनशीलता और आत्मनिर्भरता जैसे गुण पालन-पोषण के माध्यम से ही विकसित होते हैं। एक सैनिक की पत्नी होने के नाते मेरे पालन-पोषण के अनुभव विशिष्ट और बहुआयामी रहे हैं, क्योंकि मुझे देश के विभिन्न भागों में रहने और वहाँ की संस्कृति को आत्मसात करने का अवसर मिला।

विवाह के बाद सैनिक जीवन से जुड़ने पर स्थानांतरण मेरे जीवन की नियमित प्रक्रिया बन गई। हर 3–4 वर्षों में नया स्थान, नया वातावरण और नई संस्कृति से सामना हुआ।एक सैनिक पत्नी के रूप में पालन-पोषण की सबसे बड़ी चुनौती बार-बार बदलते वातावरण में बच्चों को स्थिरता और भावनात्मक सुरक्षा देना रही। हर नए स्थान पर उन्हें नए मित्र, नई भाषा और नई संस्कृति से परिचित कराना आसान नहीं था, लेकिन यही अनुभव उन्हें सहनशील, अनुकूलनशील और आत्मनिर्भर बनाते गए।

निष्कर्षतः, मेरे पालन-पोषण के अनुभव यह सिखाते हैं कि स्थान और परिस्थितियाँ बदल सकती हैं, लेकिन संस्कार और मूल्य स्थायी होते हैं। विविध संस्कृतियों के बीच रहकर यह विश्वास और गहरा हुआ कि सच्चा पालन-पोषण वही है, जो बच्चों को अच्छे इंसान के रूप में विकसित करे और उन्हें जीवन की हर परिस्थिति का सामना करने के लिए सक्षम बनाए!

अभिभावकों के लिए सुझाव: अपने बच्चे की मदद कैसे करें

- ☑ जानकारी रखें और जुड़े रहें
- ☑ स्कूल से सही सवाल पूछें
- ☑ घर पर सीखने का माहौल बनाएँ
- ☑ स्कूल की गतिविधियों में हिस्सा लें
- ☑ नंबरों से आगे की सोचें

RISE TO SUCCESS

ACADEMICS

We've always cared more about deep understanding than just rushing through a syllabus. With our **specialist teachers** and personalized support, we make sure no student feels invisible. For our seniors, we've introduced a **mentorship program** where every student has a dedicated teacher in their corner. It's been a game-changer for giving them real-time, targeted guidance. At the end of the day, our pride doesn't just come from high ranks; it comes from seeing kids grow into clear-thinking, independent learners who are ready for anything.

Shalini Jain
Principal, Rysen School, Bikaner

International English Olympiad

Sushaan
Grade III, BKN
IR-22 (Level 02 Qualifier)

Swaraa
Grade III, BKN
IR-41 (Level 02 Qualifier)

Viboddh
Grade III, BKN
IR-41 (Level 02 Qualifier)

Hamshika
Grade III, BKN
IR-41 (Level 02 Qualifier)

SPORTS

Sports isn't just an 'extra period' for us - it's a core part of who we are. We've designed our campuses to keep students energized and moving right from day one. Our goal isn't just to train athletes; it's to **build resilient, disciplined people**. Whether it's through regular practice or big competitions, our kids are learning how to handle pressure, work as a team, and bounce back from failure. When they win a medal, we're proud - but we're even prouder of the grit and courage it took to get there.

Vaishali Biswas
Principal, Rysen School, Nimbahera

Somya Dhuppar
Grade V, NBH
Gold Medal
69th District level swimming competition

Prince Hadake
Grade II, NBH
Selected for Nationals
63rd National Roller Skating Championship

Jinish Anjana
Grade VII, NBH
Gold x3, Best Swimmer
69th District level swimming competition

Kavyaraj Singh
Grade XII, NBH
Bronze Medal
CBSE West Zone Roller Skating Championship

Laksh Raj
Grade VII, NBH
1 Gold, 1 Silver, 1 Bronze
69th District level swimming competition

Siddharth Dhelawat
Grade V, NBH
Gold Medal
69th District level sports (chess) competition

Himanshu Sharma
Grade VII, NBH
Gold Medal x3
69th District level swimming competition

Mayur Khatik
Grade V, NBH
Gold Medal x3
69th District level swimming competition

Karan Dangi
Grade VI, NBH
1 Silver, 1 Bronze
69th District level swimming competition

Rudrapratap
Grade VIII, NBH
Gold Medal, 10m Rifle Shooting
69th District level sports competition

Somya Maheshwari
Grade V, SGNR
Silver Medal
69th District level swimming competition

Karanveer Singh
Grade VII, SGNR
Silver Medal
All India Karate Championship 2025

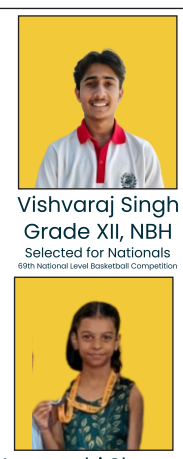

Kavyanshi Sharma
Grade IV, NBH
Bronze Medal
69th District level swimming competition

Vishvaraj Singh
Grade XII, NBH
Selected for Nationals
69th National Level Basketball Competition

EXPOSURE

There's something so special about watching a student step onto a stage outside their own school. At Rysen, we're believers in **real-world exposure**, because that's where true confidence is born. Taking part in platforms like the **Indian Debating League** has been such a game-changer for our kids. It's amazing to see them sharpen their thinking and really find their voice. We mentor them every step of the way, but ultimately, we want them to step out there and realize they belong on any stage they walk onto.

Pritesh Meena
Director, Rysen School, Deoli

Indian Debating League 2025, IIT Delhi

Priyanka Kumari
Grade XII, NBH
Selected for Round 02

Karanveer
Grade VI, BKN
Selected for Round 02

Maurya Nahata
Grade V, BKN
Selected for Round 03

Maanvishi
Grade X, NBH
Selected for Round 04

Avni
Grade X, NBH
Selected for Round 05

INNOVATION

At Rysen, our labs and classrooms are workshops for the future. Whether it's robotics, coding or STEM projects, we're constantly pushing kids to experiment, fail and try again until they get it right. A perfect example of this in action was our team from the Sri Ganganagar branch - they grabbed **AIR 7 at the Kreativity League at IIT Delhi!** It just goes to show that our students aren't just using technology; they're designing and problem-solving with it.

Satendra Bharti
Vice-Principal, Rysen School, Sri Ganganagar

Harmanjot Kaur
Grade XI, Sri Ganganagar

Rohit
Grade IX, Sri Ganganagar

Bhuvan Arora
Grade IX, Sri Ganganagar

Secured AIR 7
for designing a prototype of
Solar-Powered Air Purifier at Kr8ivity League 2025

INTERACTIVE CORNER

CRACK THE CODE

Decode and write down the encoded words

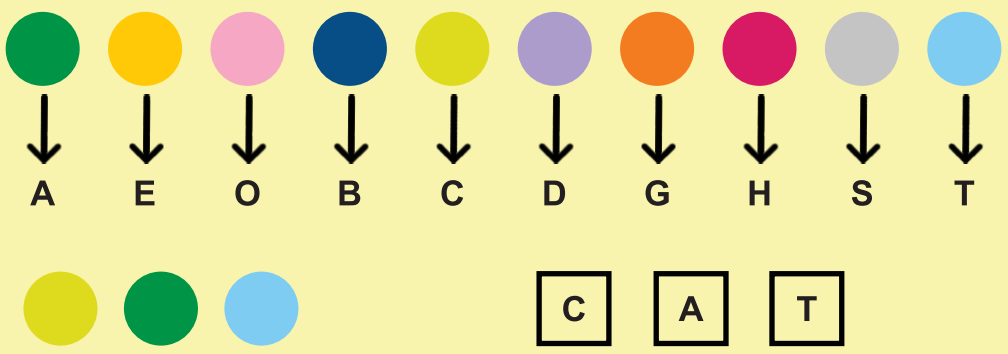

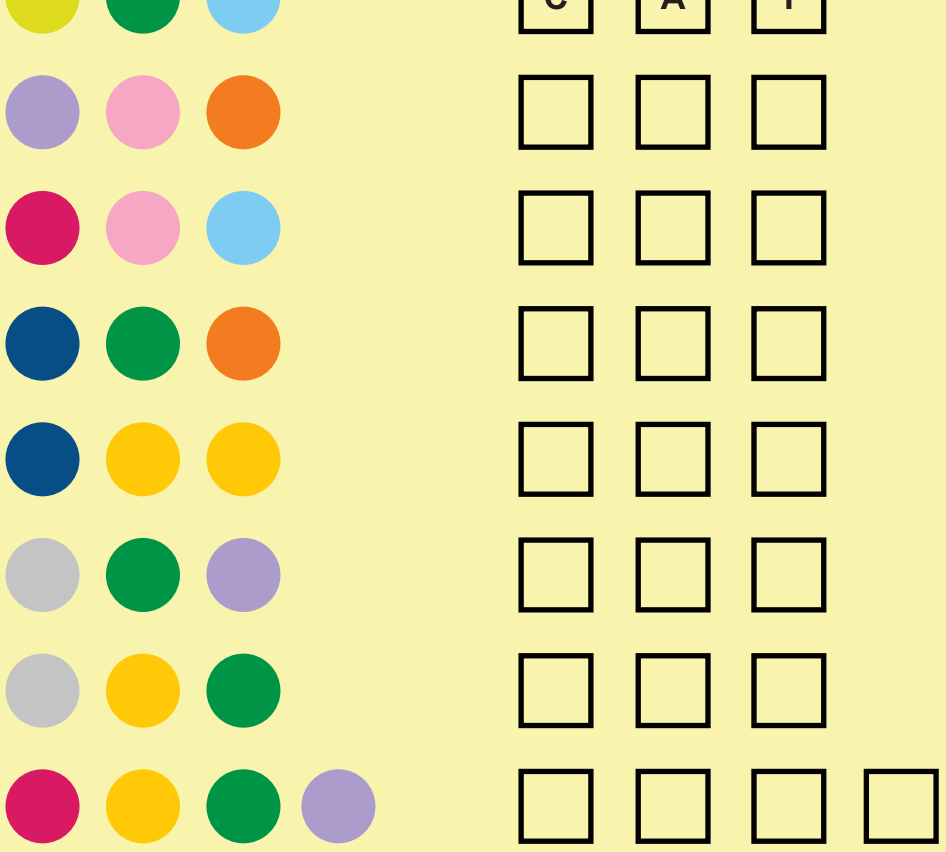

HOW TO PLAY

1. Use the Morse Code key below to convert your name into dots and dashes.
2. Write your name in Morse Code in the space provided.
3. Take a clear photo of your morse name.

HOW TO WIN

1. Upload the photo on your Instagram Story.
2. Tag @rysen_international_school
3. Five lucky participants will be selected to receive a special gift hamper from Rysen Group of Schools.

Write your Morse name in the box

Alphabet	Morse Code
A	•–
B	–•••
C	–•–•
D	–••
E	•
F	••–•
G	––•
H	••••
I	••

Alphabet	Morse Code
J	•–––
K	–•–
L	•–••
M	––
N	–•
O	–––
P	•––•
Q	––•–
R	•–•

Alphabet	Morse Code
S	•••
T	–
U	••–
V	•••–
W	•––
X	–••–
Y	–•––
Z	––••

*Winners will be announced on Rysen's official Instagram page on **31st January.***

RISE TO SUCCESS

RYSEN GROUP OF SCHOOLS

India's Top FUTURISTIC School

Run by IITians & Doctors

ADMISSIONS OPEN 2026-27

Shaping Young Minds for a Bright Future

Best Upcoming School of the Year

2025

(Awarded at IDL 2025, IIT Delhi)

- AI, Robotics & Coding Labs
- Buddy Program Mentorship
- Bagless Learning for Foundation Years
- Digital Class Rooms
- Astronomy Lab
- Innovation Lab
- World Class Sports Facilities
- Air-Conditioned Class Rooms
- CCTV Secured Campus

For Admission Related Enquiries, Contact on WhatsApp +91-9257112845

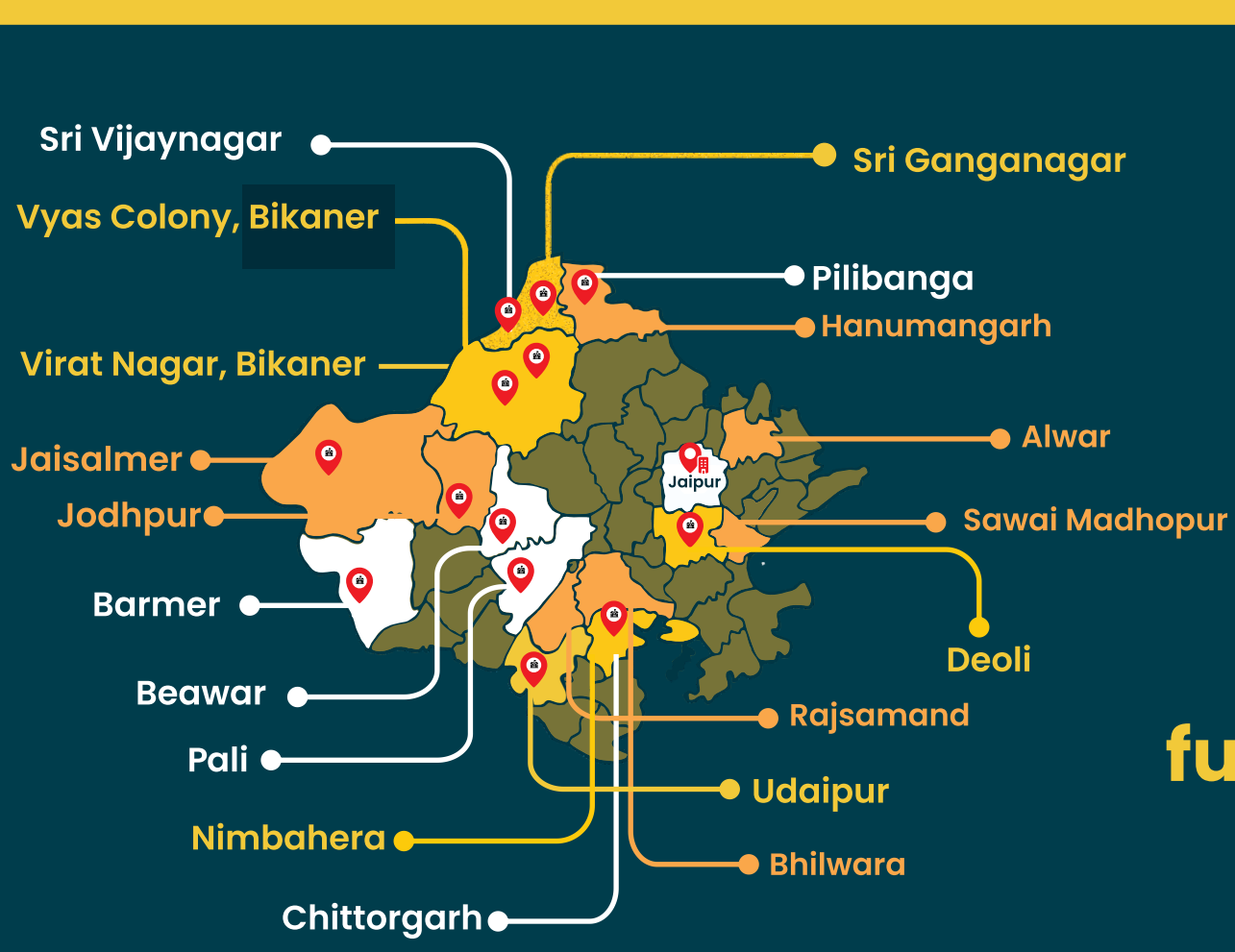

A growing network of future-focused schools

15+ CAMPUSES | 10,000+ STUDENTS